NEWS:arunjaity.qxd 9/26/2010 9:30 PM Page 196

राजस्थान पत्रिका

नानाजी के बहाने दे डाली नसीहत

नानाजी के बहाने दे डाली नसीहत

श्रद्धांजलि सभा में संघ-भाजपा नेताओं का हुआ संगम

भाजपा में आयु सीमा तय करने का कठोर कदम उठाने वाले सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को परोक्ष रूप से पार्टी के उन नेताओं को 60 साल में राजनीति से सन्यास लेने की नसीहत दे डाली जिनके वर्षों से शीर्ष स्थानों पर काबिज होने की वजह से युवा तरूणाई को मौका नहीं मिल पा रहा। उन्होंने यह बात उस समय कही जब संघ परिवार के सभी घटकों के शीर्ष नेता मौजूद थे। सोमवार को समाजसेवी नानाजी देशमुख की श्रद्धांजलि सभा में भागवत ने यह प्रसंग वक्ताओं की व्यक्त की गई भावना से उठाया।

संघ और भाजपा के सभी शीर्ष नेताओं ने नानाजी के राजनीतिक त्याग और समाजसेवा के क्षेत्र में किए गए कार्य का उल्लेख कर उसे आदर्श के रूप में अपनाने की बात कही। भागवत ने उसी बात पर कहा कि नानाजी के आदर्श पर चलना पड़ेगा। उनका इशारा साफ तौर पर उन नेताओं की ओर था जो 60 साल बाद भी शीर्ष स्थान छोड़ने को राजी नहीं हैं।

भागवत ने नानाजी के हवाले से संघ परिवार को व्यवहारिक अंतर को लेकर भी नसीहत दे डाली। बोले, नानाजी सदैव सभी के साथ सामान्य व्यवहार रखने वाले व्यक्ति थे, इसलिए उनके आदर्श को अपनाते समय इस बात पर भी ध्यान देने की जरूरत है। श्रद्धांजलि सभा में भाजपा संसदीय दल के अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी ने नानाजी को कुशल प्रबंधक और सार्वभौमिक समाजसेवी बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा जनसंघ के प्रति विरोधी दल के नेताओं के मन में जो आदरभाव आया, उसके प्रणेता नानाजी थे। उनके सभी दल के नेताओं से ऐसा सम्पर्क था जिससे यह दूरी घटती गई और भाजपा का ताकतवर होना उसी का नतीजा है। भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी ने नानाजी के विचारों को आगे लेकर चलने का संकल्प लिया।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शरद पवार ने नानाजी को दूरदर्शी निरूपित किया और बोले कि देश में परिवर्तन की लहर पैदा करने में उन्होंने जो भूमिका निभाई उसका असर मेरे मन में आज भी है। सपा अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने भी शोक संदेश भेजकर नानाजी को श्रद्धांजलि दी और उनके 60 साल में राजनीति से अलग होने की प्रक्रिया को प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर भाजश अध्यक्ष उमा भारती, गोविंदाचार्य, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी. एस. येद्दियूरप्पा ने भी नानाजी के साथ बिताये दिनों को याद किया। श्रद्धांजलि सभा में संघ तथा भाजपा के सभी बड़े नेता उपस्थित हुए।

जनसत्ता

नानाजी को भावभीनी विदाई

पंजाब केसरी

नाना जी देशमुख को याद किया

नाना जी देशमुख को याद किया

दीनदयाल शोध संस्थान के संस्थापक संघ प्रचारक एवं महान चिंतक नानाजी देशमुख की स्मृति में आयोजन सभा में आज उन्हें राष्ट्रऋषि का दर्जा दिया गया। देश के पूर्व राष्ट्रपति जनाब एपीजे अब्दुल कलाम ने अपने संदेश में उन्हें महान समाजसुधारक की संज्ञा दी। संघ परिवार एवं दीनदयाल संस्थान द्वारा कांस्टीट्यूशन क्लब मैदान में आयोजित सभा में संघ सुप्रीमो मोहन भागवत, पूर्व सरसंघचालक सुदर्शन, भाजपा नेता लालकृष्ण आडवानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी, साध्वी उमा भारती, राष्ट्रवादी विचारक गोविन्दाचार्य, समाजवादी नेता सुरेन्द्र मोहन, संघ के सरकार्यवाह भैयाजी जोशी, सुरेश सोनी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा, वीरेन्द्र जीत सिंह, डॉ. देवेन्द्र, अश्वनी कुमार, ब्रह्मदेव भाई, आलोक कुमार, सहित अनेक विद्वानों ने नाना जी के व्यक्तित्व व कृतित्व के प्रति साधुवाद व्यक्त किया। पुष्पांजलि देने वालों में डॉ. एम एम जोशी, केदारनाथ साहनी, मदनलाल खुराना, डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी, डॉ. जे.के. जैन, शिव कुमार, लालजी टंडन, नरेन्द्र तोमर, अतुल जैन, रवि शंकर प्रसाद, प्रकाश जावडेकर, बलवीर पुंज, सैय्यद शाहनवाज हुसैन, आचार्य गिरिराज किशोर के नाम प्रमुख हैं।

सपा अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने नाना जी के नाम भेजे संदेश में उनकी संघर्षशक्ति के प्रति साधुवाद जताया। वक्ताओं ने नाना जी के देहदान पर कहा कि वह चिरंजीवी हो गए हैं। नाना जी ने सभी पदों को त्याग कर एकात्म मानववाद का सही मार्ग चुना नाना जी अपने लिए नहीं, बल्कि अपनों के लिए जीए। अपनों में भी उन्होंने वंचितों व पीड़ितों की सेवा पर बल दिया।

मजहब के आधार पर राजनीति के वह खिलाफ थे। अपना देहदान करने पर उन्होंने दधीचि देहदान समिति को 11000 रुपये का चेक भी भाड़े के लिए पहले सौंप दिया था।

लोकमत

कार्यों से कलाम भी अभिभूत